A-0385

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

BAJY-201

जातकशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

Bachelor of Arts (BA)

2nd Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. सत्याचार्य प्रतिपादित ग्रहों के मित्र–शत्रु–सम भेद का वर्णन करते हुए पंचधा मैत्री का सोदाहरण वर्णन कीजिये।

Q.2. जातक शास्त्र का परिचय देते हुए इसके महत्व एंव उपयोगिता तथा वेदांगत्व को परिभाषित कीजिये।

Q.3. ग्रहों की सामान्य एंव विशेष दृष्टि तथा चरण दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए उदाहरण सहित चित्रित करें।

Q.4. पंचांग से आप क्या समझते है? विस्तार पूर्वक आशय स्पष्ट कीजिये।

Q.5. योगिनी दशा के साधन की क्या विधि है? सोदाहरण परिभाषित कीजिये।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. ग्रहों के चार प्रकार के बलों के आनयन की विधि को प्रदर्शित कीजिये।

Q.2. ज्योतिष शास्त्रानुसार भाव बल ज्ञात करने की क्या विधि है? उदाहरण सहित स्पष्ट करे।

Q.3. विंशोत्तरी दशा साधन की विधि को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

Q.4. सूर्य की महादशा में सभी ग्रहों की अंतर्दशा का साधन करते हुए शुभाशुभ फलो का वर्णन कीजिये।

P.T.O.

Q.5. लग्नेश का १२ भावो में क्या फल होता है? वर्णन कीजिये।

Q.6. प्रत्येक भावो में स्थित शनि के शुभाशुभ फलो पर प्रकाश डालिए।

Q.7. अष्टोत्तरी दशा की साधन विधि को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

Q.8. लग्न सहित १२ भावो से विचारणीय विषयों को परिभाषित कीजिये।

****